

प्रेषक,

के०सी०मिश्र,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

अधिशासी अधिकारी
सम्बन्धित नगर पालिका परिषद, उत्तरांचल
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

दैहरादून :: दिनांक 17 जुलाई 2004

विषय:- राज्य वित्त आयोग की सत्त्वतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में नगरपालिका परिषदों को धनराशि का संक्रमण (द्वितीय तिमाही हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे आहु कहने का निर्देश हुआ है कि प्रथम राज्य वित्त आयोग उत्तरांचल की सत्त्वतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 31 नगरपालिका परिषदों को सत्त्वत विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 हेतु रु 72253000 (सात करोड़ बाईस लाख तिरेपन हजार मात्र) की धनराशि संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्थीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नान्तिलिखित शर्तों एवं प्रतिवन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:-

(1) रक्षानीय निकायों को कुल देय वार्षिक धनराशि से 30 प्रतिशत अंश सेका गया है जो प्रतिवेदन के प्रस्तर 215 के अन्तर्गत प्रस्तर 225 व 226 के अनुसार राज्य सत्रीय अनुभवण समिति की सत्त्वति पर अवगुणा किया जायेगा। शेष 70 प्रतिशत अंश को 4 समान तिमाही किश्तों में अवगुणा किया जायेगा। तदनुसार द्वितीय किश्त अवमुक्त की जा रही है।

(2) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये वित्त सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति इस्तेवारित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उर्धी प्रयोजन हेतु किया जायेगा जिसके लिए संक्रमित की गई है। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यापर्तन/ समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(3) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की रूपना महालखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी / वित्त नियन्त्रक / मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा रहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, रुपनियत करें। उन्हें निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो

तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके हारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3-इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाधीर्षक -3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज सम्प्रांतों को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन -आयोजनेत्तर- 01- नगरीय स्थानीय निकाय-192-नगरपालिका/नगर निकाय-03 राज्य वित्त आयोग हारा संस्तुत करों से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज्य सहायता के नामे डाला जायेगा।

सलाहन- यथोपरि।

श्रद्धीय,

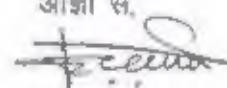
(के०सी०मिश्र)
अपर सचिव (वित्त)

संख्या-5431/वित्त अनु०-१/2004 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराधल, इस्मालस्सद। दैर्घ्य-
- 2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तराधल।
- 3- निदेशक शहरी स्थानीय निकाय, निदेशालय, देहरादून।
- 4- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराधल।
- 5- निदेशक, कोषागार, वित्त संविधान, उत्तराधल, देहरादून।
- 6- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी उत्तराधल।
- 7- विभागीय अधिकारी / पिता नियंत्रक / मुख्य / वरिष्ठ लेखाधिकारी जैसी भी विधित हो।
- 8- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराधल।
- 9- एन० आई०सी० सचिवालय, उत्तराधल, देहरादून।

आज्ञा से,


(के०सी०मिश्र)

अपर सचिव (वित्त)

(धनराशि हजार में)

क्र० सं०	जनपद का नाम	नगर पालिका परिषद का नाम	प्रस्तावित आवंटन की धनराशि
1	2	3	4
1-	उत्तरकाशी	1-उत्तरकाशी	1419
2-	चमोली	2-जौशीमठ	1155
3-		3-चमोली / गोपेश्वर	1303
4-	टिहरी	4-नई टिहरी	1984
5-		5-नरेन्द्र नगर	698
6-	देहरादून	6-मसूरी	2559
7-		7-विकास नगर	601
8-		8-ऋषिकेश	2944
9-	पौड़ी गढ़वाल	9-दुगड़ा	328
10-		10-कोटद्वार	1682
11-		11-श्रीनगर	1695
12-		12-पौड़ी	2734
13-	चम्पावत	13-टनकपुर	1113
14-	नैनीताल	14-रामनगर	3473
15-		15-नैनीताल	2202
16-		16-मवाली	290
17-		17-हल्द्वानी	6667
18-	ऊदयमसिंह नगर	18-जसपुर	2679
19-		19-काशीपुर	4402
20-		20-बाजपुर	1102
21-		21-गदरपुर	1024
22-		22-लद्दपुर	4120
23-		23-किंचम	1575
24-		24-सितारगंज	1117
25-		25-खटीमा	1031
26-	हरिद्वार	26-रुड़की	4377
27-		27-मगलौर	2412
28-		28-हरिद्वार	7830
29-	पिथौरागढ़	29-पिथौरागढ़	4075
30-	अल्मोड़ा	30-अल्मोड़ा	2669
31-	बागेश्वर	31-बागेश्वर	993
		योग:-	72253

(सात करोड़ बाईस लाख तिरेपन हजार मात्र)

(कौशी मिश्र)

अपर सचिव, वित्त।
उत्तरांचल शासन।